साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 152 | जौनपुर, मंगलवार, 27 फरवरी 2024 | साान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जेपी नड्डा ने मोदी की गारंटी रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नई दिल्ली, एजेसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र सुझाव अभियान की शुरुआत की और विकसित भारत, मोदी की गारंटी रथ को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि आज विकसित भारत – मोदी की गारंटी विषय को लेकर पूरे देश में वीडियो वैन के माध्यम से 2024 के चुनाव में अगले 5 वर्ष के लिए जो लक्ष्य रखना है उसके लिए जनता–जनार्दन के आशीर्वाद और सुझाव लेने का हम सबने निर्णय किया है। नड्डा ने कहा कि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, विश्व मित्र भारत के सपने जो 2014 में अकल्पनीय थे, आज वो मोदी जी के नेतृत्व में साकार हो रहे हैं और अब भारत इस अमृतलाल में विकसित भारत की ओर लंबी छलांग लगाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तय किया है कि देश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में वीडियो वैन के माध्यम से विकसित भारत की कल्पना के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किए गए कार्यों और आत्मनिर्भर भारत के लिए इस अमृतकाल में हो रहे कार्यों से संबंधित सभी बातों को भारत की जनता के सामने रखेंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इसी के साथ हमारे संकल्प पत्र के लिए सुझाव मांगने का कार्य भी हम सब 15 मार्च तक पूरा करेंगे।

दिल्ली मेयर शैली ओबेरॉय ने सिविक सेंटर में किया सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन

नयी दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने सोमवार को सिविक सेंटर में एक सेल्फी प्वाइंट का उद्घाटन किया जिसमें रिसाइकिल्ड प्लास्टिक से बना दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का लोगो प्रदर्शित किया गया है। इकोब्रिक्स से निर्मित एमसीडी का लोगो सिविक सेंटर के ए खंड के बाहर लगाया गया है जो एकल उपयोग वाले प्लास्टिक से भरी प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करके बनाया गया है। लोगो डिजाइन का उपयोग सेल्फी पॉइंट के रूप में किया जाएगा। इसे नगर निगम के प्लास्टिक को मात देने के 100 दिन के अभियान 2.0 के तहत लगाया गया है। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने मीडिया को बताया, इकोब्रिक्स का उपयोग करने से एकल उपयोग प्लास्टिक कचरे में कम जाता है और यह पर्यावरण के व्यापक हित की दिशा में उठाया गया एक छोटा कदम है। रिसाइकिल्ड एमसीडी लोगो को इकोविंग्स द्वारा डिजाइन किया गया है, यह संगठन अपशिष्ट पृथक्करण और अपशिष्ट प्रबंधन पर काम कर रहा है और एमसीडी के साथ 'प्रोजेक्ट प्रक्रिया' में भागीदार है।

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग से देश को बनाएंगे आत्मनिर्भर - योगी

कानपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को साढ़ स्थित डिफेंस कॉरिडोर में अदाणी समूह के एम्युनिशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले जहां यूपी में तमंचे लहराए जाते थे, वहीं अब प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर के सभी 6 नोड्स भारत को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में जुट गए हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान देश के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडेय भी मौजूद रहे। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण अदाणी ने मुख्यमंत्री योगी का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी ने एम्युनिशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ये क्षण उनके लिए अत्यंत आह्लादित करने वाला है। 2018 में जब हमने अपना पहला इन्वेस्टर्स समिट आयोजित किया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने देश में दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री ने यूपी में 6 नोड्स की घोषणा की थी। इसमें अलीगढ़, आगरा, कानपुर, लखनऊ, झांसी और चित्रकूट शामिल हैं, जिसमें कानपुर नोड में अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने अपना काम शुरू किया है। सीएम योगी ने बताया कि यूपी में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के लिए 5 हजार हेक्टेयर के बड़े कॉरिडोर को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किया गया है। अब तक 5 हजार एकड़ लैंड को प्राप्त कर लिया गया है। इसमें लखनऊ में जहां ब्रह्मोस, झांसी में भारत डायनमिक्स लिमिटेड, आर्म व्हीकल निगम लिमिटेड और टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड, ग्लोबल इंजीनियरिंग लिमिटेड और डब्ल्यूवी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड का कार्य प्रारंभ हुआ है, वहीं, अलीगढ़ नोड में एंकर रिसर्च लैब एलएलपी और कानपुर में अदाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी लिमिटेड जैसी बड़ी बड़ी कंपनियां काम कर

रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू को सेंटर फॉर एक्सीलेंस के तौर पर नामित किया गया है। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने भी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए साझेदारी दिखाई है। यूपी के डिफेंस कॉरिडोर में डिफेंस एंड एयरोस्पेस सेक्टर में स्टार्टअप्स के सहयोग के लिए संपूर्ण वातावरण बनाने का कार्य हुआ है। इसके पीछे उद्देश्य है कि भारत डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर बनने के साथ ही दुनिया की आवश्यक्ताओं की पूर्ति कर सके। इस कार्य में यूपी के 6 नोड्स मील के पत्थर साबित होंगे। सीएम ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, देश के डेवलपमेंट में ब्रेकर नहीं, बल्कि ब्रेक थ्रू का काम कर रहा है। यूपी को 2017 से पहले देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा माना जाता था। आज यही प्रदेश विकास के नित्य नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हाल ही में जीबीसी 4.0 के माध्यम से 10 लाख 24 हजार करोड़ का निवेश धरातल पर उतारा गया है। निवेश वहीं होता है, जहां व्यक्ति के साथ–साथ पूंजी को भी सुरक्षित वातावरण मिले। सीएम योगी ने बताया कि नोएडा की स्थापना के 46 वर्ष बाद प्रदेश सरकार बुंदेलखंड में बीडा के रूप में नया औद्योगिक शहर बसाने जा रही है। यह देश का सबसे बेहतरीन औद्योगिक शहर बनेगा। इस हिसाब से इस पूरे क्षेत्र के युवाओं को सबसे स्किल्ड कार्यबल के रूप में तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अदाणी समूह द्वारा यूपी के कानपुर और तेलंगाना के हैदराबाद में एम्यिनेशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स के शुभारंभ को लेकर बधाई दी और कहा कि ये प्रयास भारत को डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अग्निपथ योजना सेना के साथ खिलवाड़ – खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्निपथ" सैन्य भर्ती योजना को लेकर केंद्र सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए, कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि युवाओं के साथ "घोर अन्याय" किया गया है और कहा कि अगर वह केंद्र में सत्ता में आई तो पुरानी भर्ती योजना को फिर से लागू करेगी। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अग्निपथ योजना के कारण सशस्त्र बलों में नियमित रोजगार चाहने वाले युवाओं के साथ हुए घोर अन्याय को उजागर किया और उनसे उनके लिए न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। एआईसीसी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि ऐसी किसी योजना की कोई मांग नहीं थी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 14 जून, 2022 को अग्निपथ योजना की घोषणा की थी। सरकार का यह निर्णय एकतरफा था। इसमें कहा ये गया कि – सेना में भर्ती अग्निपथ योजना के माध्यम से की जाएगी।, – सेना की औसत आयु को कम और सेना का आधुनिकीकरण करना है। जबकि मोदी सरकार ने इस योजना को पैसा बचाने के लिए शुरू किया। एक तरफ सरकार का कहना है।

दिल्ली मॉडल पूरे देश को नई दिशा दिखा रहा - सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली मॉडल पूरे देश को नई दिशा दिखा रहा है जिसके तहत हमने शानदार स्कूल–अस्पताल बनाए, बिजली–पानी ठीक किया और गली–गली में मोहल्ला क्लीनिक बनवाए। श्री केजरीवाल ने विधानसभा में उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा प्रस्ताव का समर्थन करते हुए सोमवार को कहा कि आज दिल्ली मॉडल पूरे देश को नई दिशा दिखा रहा है। 'आप' की सरकार दिल्ली के अंदर जो काम कर रही है वह 75 साल के अंदर नहीं हुआ। दिल्ली मॉडल के तहत हमने शानदार स्कूल–अस्पताल बनाए, बिजली–पानी ठीक किया और गली–गली में मोहल्ला क्लीनिक बनवाए। इस मॉडल के तहत पूरे देश का विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि पक्ष और विपक्ष के बीच आपस में मतभेद हो सकते हैं लेकिन सदन जनतंत्र का मंदिर माना जाता है और इसकी मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। इस बार उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने काफी नारेबाजी की और विघ्न डाला। यह सदन की मर्दाया को तोड़ने वाली बात हो जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार आज ऐतिहासिक काम कर रही है। जो काम आज दिल्ली में हो रहा है, वो 75 साल के अंदर नहीं हुआ। अगर 75 साल में ये काम हो गए होते तो हमें पार्टी बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। हमें राजनीति में आने का कोई शौक नहीं था। आज पूरे देश के लोग मानते हैं कि दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम हुआ है। हमने शिक्षा के ऊपर सबसे ज्यादा निवेश किया है। इससे कई सारे सरकारी स्कूलों का कायाकल्प हुआ। इसका सबसे बड़ा सबूत यह है कि करीब चार से पाँच लाख बच्चों ने प्राइवेट स्कूल से अपना नाम कटवाकर सरकारी स्कूल में दाखिला लिया है। उन्होंने कहा कि आज अगर हमने दिल्ली के बच्चों को इतनी अच्छी शिक्षा दे दी तो पूरे देश में भी दे सकते हैं। गुजरात में पिछले कुछ सालों में 6 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। अगर दिल्ली मॉडल की तरह इन्हीं 6 हजार सरकारी स्कूलों को

शानदार बनाया जाए तो गरीब बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। असम में भी कोविड के बाद 4.5 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। आज देश में शिक्षा को निजीकरण की तरफ धकेला जा रहा है और सरकारी स्कूल बंद करके गरीबों के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसे में दिल्ली का मॉडल देश के लिए एक उदाहरण है।

भारत टेक्स-2024 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में देश के सबसे बड़े वैश्विक कपड़ा आयोजन भारत टेक्स–2024 का उद्घाटन किया। सोमवार से गुरुवार तक चार दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देना और इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना है। पीएम मोदी के 5एफ विजन से प्रेरणा लेते हुए, भारत टेक्स–2024 कपड़ा क्षेत्र के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण पर केंद्रित है, जिसमें फाइबर, फैब्रिक और फैशन के माध्यम से खेत से विदेशी बाजारों तक संपूर्ण मूल्य श्रृंखला पर जोर दिया गया है। इस आयोजन ने अपने कपड़ा उद्योग को बढ़ाने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। मोदी ने कहा कि आज का ये आयोजन अपने आप में बहुत खास है। खास इसलिए क्योंकि ये एक साथ भारत के दो सबसे बड़े प्रदर्शनी केंद्रों भारत मंडपम और यशोभूमि में एक साथ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का ये आयोजन सिर्फ एक टेक्सटाइल एक्सपो भर नहीं है। इस आयोजन के एक सूत्र से कई चीजें जुड़ी हुई हैं। भारत टेक्स का ये सूत्र भारत के गौरवशाली इतिहास को आज की प्रतिभा से जोड़ रहा है। भारत टेक्स का ये सूत्र टेक्नोलॉजी को जतंकपजपवदे के संग पिरो रहा है। भारत टेक्स का ये सूत्र शैली, स्थिरता, पैमाना और कौशल को एक साथ लाने का सूत्र है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में टेक्सटाइल सेक्टर का योगदान और बढ़ाने के लिए हम बहुत विस्तृत दायरे में काम रहे हैं। हम परंपरा, प्रौद्योगिकी, प्रतिभा और प्रशिक्षण पर फोकस कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम कपड़ा मूल्य श्रृंखला के सभी तत्वों को पांच एफ के सूत्र से एक दूसरे से जोड़ रहे हैं। पांच एफ की ये यात्रा थंतउ, थपइतम, थ्बजवतल, थैपवद से होते हुए थ्वतमपहद तक जाती है। उन्होने कहा कि परिधान बनाने वाले हर 10 साथियों में से 7 महिलाएं हैं और हथकरघा में तो इससे भी ज्यादा है। कपड़ा के अलावा खादी ने भी हमारे भारत की महिलाओं को नई शक्ति दी है। मैं ये कह सकता हूं कि बीते 10 वर्षों में हमने जो भी प्रयास किए, उसने खादी को विकास और रोजगार दोनों का साधन बनाया है। उन्होंने कहा कि आज भारत, दुनिया में कॉटन, जुट और सिल्क के बड़े उत्पादकों में से एक है। लाखों किसान इस काम में जुटे हैं। सरकार आज लाखों कॉटन किसानों को सपोर्ट कर रही है, उनसे लाखों क्विंटल कॉटन खरीद रही है। सरकार ने जो कस्तूरी कॉटन लॉन्च किया है, वो भारत की अपनी पहचान बनाने की ओर एक बड़ा कदम होने वाला है।

मानवता के साथ व्यवहार करना डाक्टरों की नैतिक जिम्मेदारी – मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि डॉक्टरों की नैतिक जिम्मेदारी है और उन्हें करुणा, दयालुता और सहानुभूति दिखाते हुए मानवता के साथ व्यवहार करना चाहिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) के 107वें वार्षिक दिवस और दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा, "लोग डॉक्टरों को भगवान मानते हैं। डॉक्टरों को इस नैतिक जिम्मेदारी को समझना चाहिए और उसके अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। वे वास्तव में सफल डॉक्टर या नर्स तभी होंगे जब उनमें पेशेवर क्षमता के साथ–साथ करुणा, दयालुता और सहानुभूति जैसे मानवीय मूल्य हों। एक अच्छा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर बनने के लिए, एक अच्छा इंसान बनना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने भी चरित्र के बिना ज्ञान और मानवता के बिना विज्ञान को पाप बताया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, उनका प्राथमिक उद्देश्य पैसा कमाना नहीं, बल्कि श्स्वयं से पहले सेवाश होना चाहिए। चिकित्सा विज्ञान में नई प्रगति की सराहना करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि यह सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं है और इसका दायरा बहुत व्यापक हो गया है। उन्होंने कहा, चौथी औद्योगिक क्रांति के कारण भौतिक डिजिटल और जैविक क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है। सिंथेटिक बायोलॉजी में हो रहे नए प्रयोग और सीआरआईएसपीआर जीन एडिटिंग जैसी नई तकनीकें सदियों से चली आ रही समस्याओं का समाधान ढूंढने में मददगार साबित हो रही हैं।

पीएम मोदी ने जातिवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवाद की राजनीति खत्म कर दी – अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के बाद देश में व्याप्त जातिवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवाद की राजनीति को पिछले 10 वर्षों में समाप्त कर दिया है। शाह ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, "आजादी के बाद जातिवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और वंशवाद की राजनीति हावी रही। मोदी जी ने पिछले 10 वर्षों में इन्हें खत्म कर दिया है।" उन्होंने कहा कि

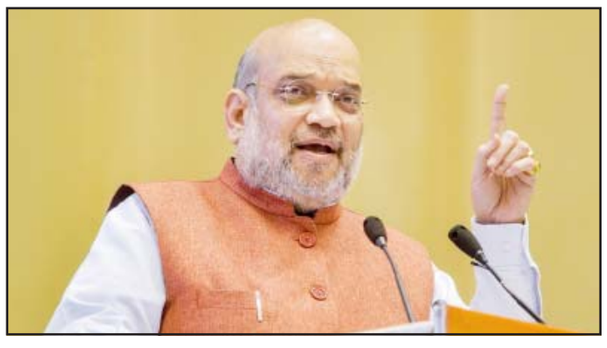

नक्सलवाद, आतंकवाद और उग्रवाद "अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। शाह ने कहा कि फिलहाल लड़ाई दो विचारधाराओं के बीच है – एक जो देश को विकसित राष्ट्र बनाना चाहती है और दूसरी, जो वंशवाद का पोषण करती है। उन्होंने दावा किया, "(विपक्षी) 'इंडिया' गठबंधन वंशवादी राजनीति का गठजोड़ है। सोनिया गांधी चाहती हैं कि उनका बेटा प्रधानमंत्री बने। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने दावा किया कि राकांपा संस्थापक शरद पवार अपनी बेटी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी अपने भतीजे, राजद प्रमुख लालू प्रसाद अपने बेटे और द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन अपने बेटे को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि लगभग 100 करोड़ लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। जम्मू–कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि इन क्षेत्रों में हिंसा में 70 प्रतिशत की कमी आई है और आतंकवाद तथा उग्रवाद के कारण होने वाली मौतों में 72 प्रतिशत की कमी आई है।

रक्षा क्षेत्र में प्राइवेट निवेश की अनुमति देने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य - जनरल पांडे

नई दिल्ली, एजेंसी। थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे ने सोमवार को पुणे में मोशी के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी कन्वेंशन सेंटर में महाराष्ट्र एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) रक्षा प्रदर्शनी 2024 का दौरा किया। महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित की जा रही इस प्रदर्शनी में महाराष्ट्र के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, निजी कंपनियों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) प्रयोगशालाओं और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र इकाई (डीपीएसयू) की स्वदेशी क्षमताओं तथा नवाचारों को प्रदर्शित किया जा रहा है। जनरल मनोज पांडे ने इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक

विकास, निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के आकर्षण में प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक होने के लिए महाराष्ट्र बधाई का पात्र है। सेना प्रमुख ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में प्राइवेट क्षेत्र को निवेश की अनुमति मिलने के बाद महाराष्ट्र रक्षा विनिर्माण नीति तैयार करने वाला भारत का पहला राज्य था। महाराष्ट्र ने प्रोत्साहन पैकेज योजना में विमान निर्माण तकनीक और रक्षा विनिर्माण को भी महत्वपूर्ण क्षेत्र घोषित किया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, महाराष्ट्र देश के विमानों, युद्धपोतों और नौकाओं के उत्पादन में 20 प्रतिशत से ज्यादा तथा हथियारों एवं गोला–बारूद के राष्ट्रीय उत्पादन में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। ये आंकड़े रक्षा औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। जनरल मनोज पांडे ने कहा कि हमारी क्षमता विकास आवश्यकताओं को पूरा करने में आत्मनिर्भरता के हिस्से के रूप में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा स्टार्ट अप इकोसिस्टम दोनों का लाभ उठाना भारतीय सेना के लिए एक फोकस क्षेत्र रहा है। सेना प्रमुख ने कहा कि रक्षा उत्कृष्टता में नवाचार खरीद के तहत सभी परियोजनाओं को स्टार्ट अप के माध्यम से आगे बढ़ाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आइडेक्स पहल के तहत 400 करोड़ रुपये की लागत वाली भारतीय सेना की 55 परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसमें कुल 65 स्टार्ट अप भी शामिल हैं।

संपादकीय

काली रेत की डायरी

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नाम कई चीजें पहली बार दर्ज हैं। वह लगातार दो बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले राज्य के एकमात्र नेता हैं। 2021 में, उनके नेतृत्व में, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) राज्य के 65 साल लंबे इतिहास में पहली बार लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौटी। विजयन ने पिछले आठ वर्षों से भारत की एकमात्र कम्युनिस्ट नेतृत्व वाली राज्य सरकार का नेतृत्व किया है, जबकि सीपीआई (एम) ने पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा के अपने पूर्व गढ़ खो दिए हैं। विजयन ने रिकॉर्ड 18 वर्षों तक सीपीआई (एम) के राज्य सचिव के रूप में भी काम किया है। लेकिन मार्क्सवादी दिग्गज के नाम कुछ संदिग्ध रिकॉर्ड भी हैं। राज्य का कोई अन्य कम्युनिस्ट नेता भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद के इतने गंभीर मामलों में नहीं फंसा है। 2009 में, वह भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी बनने वाले पहले सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो सदस्य बने, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उन्हें 375 करोड़ रुपये के लवलीन घोटाले में नौवें आरोपी के रूप में दोषी ठहराया। यह कनाडाई कंपनी, एसएनसी–लवलिन को तीन जलविद्युत स्टेशनों के नवीनीकरण के लिए दिए गए विवादास्पद अनुबंध से संबंधित था, जब विजयन 1995 में राज्य के बिजली मंत्री थे। हालांकि एक विशेष सीबीआई अदालत ने 2013 में विजयन को बरी कर दिया – केरल उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही किया। 2017–सीबीआई की अपील अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। फरवरी 2023 में, सोने की तस्करी मामले में मुख्य संदिग्ध स्वप्ना सुरेश ने विजयन पर उसके साथ विभिन्न भ्रष्ट सौदों से लाभ उठाने का आरोप लगाया। अक्टूबर 2020 में, प्रवर्तन निदेशालय ने सुरेश के साथ कथित संबंधों के लिए विजयन के प्रमुख सचिव और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. शिवशंकर को गिरफ्तार किया। भले ही ईडी और राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मामले की जांच की और सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन विजयन के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं हुआ। नवीनतम मामला एक निजी फर्म द्वारा विभिन्न दलों के कई प्रमुख केरल राजनेताओं को कथित तौर पर अवैध भुगतान से संबंधित है, जिसमें विजयन और उनकी बेटी, वीणा थाइक्कंडियिल, जो राज्य के पर्यटन मंत्री, पी.ए. की पत्नी भी हैं, शामिल हैं। मोहम्मद रियास. मामले की जांच केंद्रीय कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय द्वारा की जा रही है। जांच को रद्द करने की मांग करने वाली वीना की रिट याचिका 16 फरवरी को कर्नाटक उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी। अदालत के निर्देशानुसार, वीना 19 फरवरी को एसएफआईओ, चेन्नई के समक्ष पेश हुईं। जांच रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, बेंगलुरु द्वारा प्रस्तुत अंतरिम जांच रिपोर्ट पर आधारित थी। सीपीआई (एम) ने इसे भारतीय जनता पार्टी के विरोधी नेताओं को बदनाम करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के ऑपरेशन का हिस्सा बताकर खारिज कर दिया है। विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट और भाजपा ने विजयन के इस्तीफे की मांग की है। यह मामला पिछले जून में आयकर विभाग के अंतरिम बोर्ड फॉर सेटलमेंट की नई दिल्ली पीठ के एक आदेश के साथ सामने आया, जिसमें कई हानिकारक टिप्पणियाँ शामिल थीं। यह आदेश एर्नाकुलम स्थित एक निजी रासायनिक कंपनी, कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड द्वारा दायर आवेदन की प्रतिक्रिया थी, 2019 में कंपनी के कार्यालयों और इसके शीर्ष अधिकारियों के आवासों की आयकर अधिकारियों द्वारा की गई खोज के बाद, जिसमें कई अवैधताएं सामने आईं। आईबीएस के अनुसार, एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस लिमिटेड, एक कंपनी जो बेंगलुरु में पंजीकृत है और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर वीना के स्वामित्व में है, ने बदले में कोई सेवा प्रदान किए बिना सीएमआरएल से 2017–20 के दौरान 1.72 करोड़ रुपये प्राप्त किए। ईएसएल (2022 से निष्क्रिय घोषित) ने दावा किया था कि भुगतान उसकी सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए किया गया था। लेकिन आदेश के अनुसार, सीएमआरएल के अधिकारियों ने खुलासा किया कि उन्हें वीना की कंपनी द्वारा प्रदान की गई किसी भी सेवा के बारे में नहीं पता था। एक्सलॉजिक को सीएमआरएल से जुड़ी एक वित्तीय फर्म से 2017–20 के दौरान 78 लाख रुपये का असुरक्षित ऋण भी प्राप्त हुआ। आईबीएस ने उल्लेख किया कि सीएमआरएल ने यह नहीं बताया कि वीणा ष्एक प्रमुख राजनेता की बेटी थी, जिसे करदाता की स्वयं की स्वीकारोक्ति के अनुसार अन्य भुगतान किए गए थे।ष ष्अन्य भुगतानष सीएमआरएल द्वारा विभिन्न राजनीतिक नेताओं, मीडिया संगठनों, पुलिस आदि को लगभग 135 करोड़ रुपये देने से संबंधित थे, जिसके बारे में कंपनी ने कहा था कि ये भुगतान उसकी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए ष्खतरों पर काबू पानेष के लिए थे। जब्त किए गए दस्तावेजों में, कथित प्राप्तकर्ताओं का उल्लेख पीवी, ओसी, आरसी, केके आदि जैसे संक्षिप्ताक्षरों में किया गया था। आईबीएस के अनुसार, सीएमआरएल अधिकारियों ने खुलासा किया कि संक्षिप्ताक्षर दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, कांग्रेस नेता ओमन चांडी, मुस्लिम लीग नेता रमेश चेन्निथला, पी.के. के लिए थे। कुन्हालीकुट्टी, और अन्य। आईबीएस का आदेश जल्द ही मीडिया में सामने आया, जिससे राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। जबकि यूडीएफ नेताओं ने अपने राजनीतिक दलों के लिए दान के रूप में धन प्राप्त करने की बात स्वीकार की, विजयन ने इस आरोप को निराधार बताया। उन्होंने राज्य विधानसभा में कहा, मेरे हाथ साफ हैं।

इंडिया गठबंधन भाजपा के लिये चुनौती

ललित

अंधेरों एवं निराशा के गर्त में जा चुके एवं लगभग बिखर चुके इंडिया गठबंधन के लिए कुछ अच्छी खबरों ने जहां उसमें नये उत्साह का संचार किया है वहीं भारतीय जनता पार्टी के लिये चिन्ता के कारण उत्पन्न किये हैं। पहले उत्तर प्रदेश और फिर दिल्ली में समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी से सीट बंटवारे पर बनी सहमति ने टूट की कगार पर पहुंचे इंडिया गठबंधन में वर्ष 2024 के आम चुनावों को लेकर संभावनाभरी तस्वीर को प्रस्तुत किया है। अब ये चुनाव दिलचस्प होने के साथ कुछ सीटों पर कांटे की टक्कर वाले होंगे। इन नये बन रहे चुनावी समीकरणों के बावजूद भाजपा के लिये अभी कोई बड़ा संकट नहीं दिख रहा है। भले ही इंडिया गठबंधन ढींगे हांके कि वह भाजपा एवं उसके गठबंधन के लिए कड़ी चुनौती पेश करने की स्थिति आ गयी है। भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का जब गठबंधन बना तभी यह आशंका की गयी कि यह कितनी दूर चल पायेगा, टिक पायेगा भी या नहीं? कुछ हालात तो ऐसे भी बने कि

इसके तार–तार होने की संभावनाएं बलवती हुई। भले ही अब कुछ सीटों पर दलों के बीच सहमति बनी हो लेकिन अभी कई महीने निकल जाने के बाद भी विधिवत रूप से इंडिया गठबंधन के संयोजक का नाम घोषित नहीं हो पाना अनेक सन्देहों एवं अटकलों का कारण बना हुआ है। सत्ता तक पहुंचने के लिए जिस प्रकार दल–टूटन व गठबंधन हो रहे हैं इससे सबके मन में अकल्पनीय सम्भावनाओं की सिहरन उठती है। राष्ट्र और राष्ट्रीयता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगा है। कुछ अनहोनी होगी, ऐसा सब महसूस कर रहे हैं। प्रजातंत्र में टकराव होता है। विचार फर्क भी होता है। मन–मुटाव भी होता है पर मर्यादापूर्वक। लेकिन अब इस आधार को ताक पर रख दिया गया है। राजनीति में दुश्मन स्थाई नहीं होते। अवसरवादिता दुश्मन को दोस्त और दोस्त को दुश्मन बना देती है। यह भी बडेघ् रूप में देखने को मिल रहा है। राजनीति नफा–नुकसान का खेल बन रहा है, मूल्य बिखर रहे हैं। चारों ओर सत्ता की भूख बिखरी है। पिछले कुछ समय से इंडिया गठबंधन को एक के बाद एक कई झटके लगे। पहले तो कांग्रेस ने ही पिछले साल दिसंबर के विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में गठबंधन से जुड़ी बातचीत को ठंडे बस्ते में डाले रखा। बातचीत शुरू भी हुई तो नेताओं में न तो पहले जैसा जोश दिखा और न वैसी राजनीतिक जिजीविषा महसूस हुई। फिर गठबंधन के प्रस्ताव पर सबसे बढ़–चढ़कर काम करने वाले नीतीश कुमार ही उसे छोड़ गए। यूपी में रालोद के जयंत चौधरी भी इंडिया गठबंधन का हाथ थामते–थामते एनडीए में शामिल हो गए। इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस ने अनेक झटके झेले। छोटे–बड़े नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला भी तेज हुआ। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम खास तौर पर चर्चित रहा। इसे चाहे इन नेताओं का व्यक्तिगत अवसरवाद कहें या भाजपा और एनडीए नेतृत्व की सक्रियता एवं राजनीतिक कौशल इतना तय है कि इन नेताओं को कांग्रेस का भविष्य खास अच्छा नहीं दिख रहा। आम आदमी पार्टी एवं समाजवादी पार्टी जैसे दल अपनी साख बचाने एवं सत्ता के करीब बने रहने के लिये सीटों के बंटवारे पर सहमत हुए है, उसमें कांग्रेस का घूटने टेकना भी उसकी टूटती सांसों को बचाने की जद्दोजहद ही कहीं जायेगी। कांग्रेस एवं अन्य दलों के बीच सहमति के स्वर उभरने से आगामी लोकसभा चुनाव में अच्छा मुकाबला दिख सकता है। लेकिन अहम सवाल तो यही है कि क्या गठबंधन की गाड़ी आगे और हिचकोले नहीं खाएगी? क्या यह दावा पूरी दृढ़ता से किया जा सकता है? अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस से सीटों पर सहमति बनाकर पलटूराम ही बने हैं। जी–भरकर एक–दूसरे को कोसने वाले जब हाथ मिलाए तो आश्चर्य होना स्वाभाविक है। देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होना मूल्यहीनता एवं सिद्धान्तहीनता की चरम पराकाष्ठा है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। ताजा कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी की सहमति से कांग्रेस को ही नुकसान होना है।

उत्तराखंड कोड लैंगिक न्याय पर अड़ंगा लगाता

आदित्य

उत्तराखंड संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। यह विवाह और तलाक, वैवाहिक अधिकारों की बहाली, न्यायिक अलगाव, विवाह और तलाक की शून्यता, भरण–पोषण, गुजारा भत्ता और हिरासत, निर्वसीयत और वसीयती उत्तराधिकार और लिव–इन संबंधों से संबंधित पारिवारिक कानूनों को एकीकृत करता है। जबकि राज्य के यूसीसी को लैंगिक न्याय प्राप्त करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया है, यह किस हद तक इस आकांक्षा को पूरा करता है, इसकी सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। लिव–इन संबंधों को पंजीकृत करने की आवश्यकता ने गर्म सार्वजनिक बहस को जन्म दिया है। संहिता ने उन प्रावधानों को पेश करके एक नए क्षेत्र में प्रवेश किया है जो सहमति देने वाले वयस्कों के बीच अनौपचारिक यौन संबंधों के दायरे में अब तक जो कुछ भी था उसे औपचारिक बनाता है और व्यक्तियों की गोपनीयता और उनकी स्वतंत्रता के बारे में चिंताएं बढ़ाता है। कोड के अनुसार भागीदारों को लिव–इन रिलेशनशिप में प्रवेश करने के एक महीने के भीतर और इसे समाप्त करते समय रजिस्ट्रार को सूचित करने की आवश्यकता होती है। कोई यह नहीं समझ पाता कि लिव–इन रिलेशनशिप को पंजीकृत करने का प्रावधान यूसीसी में किस उद्देश्य से शामिल किया गया है। विवाह (और तलाक) के समान, किसी रिश्ते में प्रवेश करते समय और उससे बाहर निकलते समय भी रजिस्ट्रार के साथ अनुबंध को पंजीकृत करना पड़ता है। पंजीकरण न कराना एक आपराधिक अपराध बना दिया गया है जिसमें 10,000 रुपये का जुर्माना औरध्या तीन महीने की कैद का प्रावधान है। लिव–इन रिलेशनशिप का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विफल रहने पर दोषी पाए जाने पर छह महीने की सजा औरध्या 25,000 रुपये का जुर्माना निर्धारित है। यह लिव–इन रिलेशनशिप के मूल उद्देश्य को ही विफल कर देता है क्योंकि यह इसे विवाह के बराबर बना देता है, ऐसे रिश्ते में प्रवेश करने की शर्तें विवाह अनुबंध के समान होती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इसका उद्देश्य युवा जोड़ों को ऐसे रिश्तों में प्रवेश करने से रोकना और उनकी गोपनीयता और स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हुए उनकी कामुकता को नियंत्रित करना है। कोड इस विषमलैंगिक रिश्ते को ष्एक पुरुष और एक महिला के बीच का रिश्ताष के रूप में परिभाषित करता है जो ष्शादी जैसे रिश्ते के माध्यम से एक साझा घर में रहते हैं, बशर्ते कि ऐसे रिश्ते निषिद्ध न हों।ष दिलचस्प बात यह है कि एक परिवार के भीतर समलैंगिक और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों और ट्रांसजेंडर और समान–लिंग वाले व्यक्तियों के विवाह के अधिकारों के बारे में एक स्पष्ट चुप्पी है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह कानून उत्तराखंड के बाहर रहने वाले राज्य के उन निवासियों पर भी लागू होता है, इसके अलावा उन सभी पर भी लागू होता है जिनके पास राज्य में अधिवास नहीं है। जबकि मुस्लिम कानून में ष्दोषपूर्णष माने जाने वाले कुछ प्रावधानों जैसे कि असमान विरासत, बहुविवाह, इद्दत और निकाह हलाला की प्रथा (जिसके द्वारा कोई व्यक्ति अपने तलाकशुदा पति या पत्नी के विवाह के बाद ही उससे पुनर्विवाह कर सकता है) पर पर्दा डालने के लिए इस कानून की प्रशंसा की गई है। किसी और ने विवाह संपन्न किया और उसके बाद तलाक ले लिया), विडंबना यह है कि इसमें मुस्लिम कानून के कुछ सकारात्मक और प्रगतिशील पहलुओं को शामिल नहीं किया गया है, जैसे पति द्वारा पत्नी को मेहर का अनिवार्य भुगतान जो पत्नी को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, निकाहनामा (विवाह अनुबंध) जो पति–पत्नी को पारस्परिक रूप से स्वीकार्य और कानूनी रूप से बाध्यकारी शर्तें जोड़ने और संपत्ति के 1ध्3 से अधिक हिस्से को स्वेच्छा से छोड़ने पर रोक लगाने की अनुमति देता है। यदि इरादा वास्तव में लैंगिक न्याय लाने का होता, तो ऐसे प्रावधानों को सभी समुदायों की महिलाओं तक बढ़ाया जाता। साथ ही, राज्य में ईसाई, पारसी और अन्य धार्मिक समुदायों के व्यक्तिगत कानून कानूनी रूप से अस्थिर हो गए हैं। यह इन समुदायों के साथ बिना किसी परामर्श के किया गया है। किसी भी कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रत्येक हितधारक को कानून तक पहुंचने में सक्षम होना चाहिए या होना चाहिए। मौजूदा राजनीतिक माहौल में, अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं के लिए किसी भी समान कानून तक पहुंच पाना मुश्किल होगा, भले ही इसे कितना भी प्रगतिशील कहा जाए, जब इसका मूल उद्देश्य अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों पर एकाधिकार दिखाना है। हिंदू महिलाओं को परिवार में जिस भेदभाव का सामना करना पड़ता है, उस पर देश में प्रचलित विभिन्न पारिवारिक कानूनों, या तो धार्मिक–आधारित व्यक्तिगत कानूनों या विशेष विवाह अधिनियम में ध्यान नहीं दिया गया है। उदाहरण के लिए, इसने वैवाहिक अधिकारों की बहाली को वैवाहिक उपाय के रूप में बरकरार रखा है, भले ही इसकी संवैधानिक वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई हो। यह औपनिवेशिक मूल का एक प्रतिगामी प्रावधान है, जो कानूनी तौर पर अनिच्छुक पति–पत्नी को वैवाहिक जीवन के नाम पर एक साथ रहने के लिए मजबूर करता है। हालाँकि यह स्पष्ट रूप से लिंग–तटस्थ है, लेकिन इसका पत्नी पर गंभीर प्रभाव पड़ता है क्योंकि इसका परिणाम बलात्कार या जबरन गर्भधारण हो सकता है। विवाह के अनिवार्य पंजीकरण के प्रावधान का महिला समूहों द्वारा विरोध किया गया है क्योंकि यह उन महिलाओं के अधिकारों को खत्म कर देगा जिनकी शादी पंजीकृत नहीं है। लंबे समय तक सहवास के मामलों में विवाह की धारणा का प्रचलित मानदंड महिलाओं के लिए तब बेहतर होता है जब विवाह को अदालत में चुनौती दी जाती है। इस कानून ने महिलाओं के कई मौलिक अधिकारों को छीन लिया है जो कई दशकों के निरंतर संघर्ष के बाद हासिल किए गए थे।

जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किए बिना कोई जलवायु न्याय नहीं

विनोद

इस विश्वव्यापी संकट से निपटने की तात्कालिकता बढ़ती जा रही है जलवायु परिवर्तन ने 2023 को रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष बना दिया। जैसे–जैसे इस विश्वव्यापी संकट से निपटने की तात्कालिकता बढ़ती जा रही है, जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से बंद करना एक आवश्यक कदम है जो सभी देशों को उठाना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि जीवाश्म ईंधन – कोयला, तेल और गैस – जलवायु संकट के प्राथमिक चालक हैं, जो वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 75: से अधिक और सभी कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन का लगभग 90: है। जीवाश्म ईंधन को गंभीर मानवाधिकार क्षति से जोड़ा जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि देशों को मौजूदा जलवायु लक्ष्यों को पूरा करना है और सीमावर्ती समुदायों के लिए सबसे बुरे परिणामों से बचना है तो कोई नई जीवाश्म ईंधन परियोजना नहीं हो सकती है। इन मुद्दों का समाधान न करने से अभूतपूर्व पैमाने का मानवाधिकार संकट पैदा हो सकता है। जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से बंद करने के लिए एक और नैतिक अनिवार्यता नुकसान और क्षति का सामना करने वाले समुदायों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। जीवाश्म ईंधन परियोजनाएँ और बुनियादी ढाँचे अक्सर बाड़ रेखा और अग्रिम पंक्ति के समुदायों को विषाक्त पदार्थों, पर्यावरणीय क्षरण और जलवायु आपदाओं के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता के संपर्क में लाते हैं। जीवाश्म ईंधन के निष्कर्षण से वनों की कटाई, आवास विनाश और जल प्रदूषण होता है, जिसने 2020 में 1.2 मिलियन मौतों में योगदान दिया है, जिससे जैव विविधता की हानि और पारिस्थितिकी तंत्र का क्षरण हुआ है। जीवाश्म ईंधन का निष्कर्षण और उत्पादन अक्सर स्वदेशी लोगों, स्थानीय समुदायों और पर्यावरण रक्षकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है, जिन्हें भूमि कब्जा, विस्थापन, हिंसा, धमकी और अपराधीकरण का सामना करना पड़ता है। इसे बदलना होगा. जब हम अफ्रीकी महाद्वीप को देखते हैं, तो जीवाश्म ईंधन में निवेश में मौजूदा वृद्धि से अफ्रीका के कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होगी और वैश्विक जलवायु परिवर्तन में अफ्रीका की हिस्सेदारी बढ़ेगी। 2021 में, अफ्रीका ने जीवाश्म ईंधन और उद्योग से वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 3.9: (1.45 बिलियन टन ब्व्2 मु.) का योगदान दिया। जलवायु परिवर्तन के परिणामों के सामने इस ऊर्जा नीति को जारी रखना उनके भविष्य के लिए बहुत आत्मघाती होगा। जीवाश्म ईंधन उत्पादन का आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है, विशेषकर अफ्रीका में। जीवाश्म ईंधन सब्सिडी और निवेश संसाधनों को गरीबी में रहने वाले लोगों की जरूरतों और अधिकारों से दूर कर देते हैं। यह सर्वविदित है कि अफ्रीका ने जलवायु परिवर्तन में सबसे कम योगदान दिया है लेकिन फिर भी वह इसके दुष्परिणामों से सबसे अधिक पीड़ित है। चूंकि अमीर देशों ने ऐतिहासिक रूप से सबसे अधिक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन किया है, इसलिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन का लक्ष्य जिम्मेदारी और न्याय का कार्य है, जो सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों को सहायता प्रदान करता है। जीवाश्म ईंधन के निष्कर्षण से वनों की कटाई, आवास विनाश और जल प्रदूषण होता है, जिसने 2020 में 1.2 मिलियन मौतों में योगदान दिया है, जिससे जैव विविधता की हानि और पारिस्थितिकी तंत्र का क्षरण हुआ है। उदाहरण के लिए, डीआरसी में, यदि तेल निकालने के लिए आवश्यक सड़कों, पाइपलाइनों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण से पीटलैंड को नष्ट कर दिया जाता है, तो 6 बिलियन टन तक ब्व्2 जारी किया जा सकता है, जो वर्तमान यूके के 14 वर्षों के मूल्य के बराबर है। ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन। पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन के माध्यम से, हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को नियंत्रित कर सकते हैं और भावी पीढ़ी की स्थिरता को आगे बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। अफ्रीका में विशाल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है – इसमें दुनिया के 60: सर्वोत्तम सौर संसाधन हैं, लेकिन महाद्वीप को वैश्विक ऊर्जा निवेश का 3: से भी कम प्राप्त होता है। एक ऐसे क्षेत्र के रूप में जिस पर जलवायु संकट का सबसे कम प्रभाव पड़ा है, लेकिन अभी और भविष्य में महत्वपूर्ण प्रभाव झेलना पड़ेगा, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपने स्वच्छ ऊर्जा भविष्य में निवेश करने के लिए अफ्रीका के साथ काम करना चाहिए। उदाहरण के लिए, केन्या लेक तुर्काना पवन परियोजना का घर है, जो वर्तमान में अफ्रीका का सबसे बड़ा पवन फार्म है। उत्पादन 310 मेगावाट से अधिक है – जो 10 लाख घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त है। पवन ऊर्जा और सौर ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन के माध्यम से, हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को नियंत्रित कर सकते हैं और भावी पीढ़ी की स्थिरता को आगे बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। इस परियोजना ने केन्या के इतिहास में सबसे बड़ा निजी निवेश भी आकर्षित किया।

आचार्यों की विरासत सहेजने में नाकाम व्यवस्था

प्रताप सिंह

'शिक्षा एक राष्ट्र की प्रगति का प्रतीक है। यदि आप किसी देश के उन्नयन एवं अवनयन का काल जानना चाहते हैं तो इसे देश की शिक्षा के इतिहास में खोजिए।' यह कथन स्वामी विवेकानंद का था। 'जिस शिक्षा में कर्म की शक्ति नहीं, स्वतंत्र रूप से सोचने की बुद्धि नहीं, खतरा उठाने की प्रवृत्ति नहीं, वह विद्या निस्तेज है', शिक्षा के संदर्भ में यह कथन भारत के प्रख्यात विचारक 'विनोबा भावे' का था। कोई भी राष्ट्र अपनी शिक्षा, संस्कृति व परंपराओं पर गर्व महसूस करता है। हमारे मनीषियों द्वारा रचित विश्व की प्रथम पुस्तक 'ऋग्वेद' व सबसे बड़ा महाकाव्य 'महाभारत', 'रामायण', वेद, पुराण जैसे विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ तथा शिक्षा की उत्तम प्रणाली गुरुकुल, मठ व आचार्यों के आश्रम पुष्टि करते हैं कि अनादिकाल से भारत में शिक्षा व्यवस्था का गौरव चरम पर था। सैंकड़ों वर्ष पूर्व तक्षशिला, नालंदा, भल्लभी व सोमपुरा जैसे भारत के विश्वविद्यालयों में कई देशों के छात्रों ने शिक्षा ग्रहण की थी। मगर विडंबना है कि विश्व को ज्ञान देने वाली भारत की प्रतिभाएं तथा अभिभावक मौजूदा दौर में शिक्षा को लेकर दुश्वारियों के दौर से गुजर रहे हैं। देश की हजारों प्रतिभाएं पढ़ाई के नाम पर प्रतिवर्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रही हैं, बल्कि कई छात्र भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। भले ही भारत की करोड़ों आबादी गरीबी रेखा से नीचे बसर करने को मजबूर है, मगर विदेशों में शिक्षा हासिल करने वाले हजारों भारतीय छात्रों के अभिभावक हर वर्ष करोड़ों रुपए की महंगी फीस अदा करके अमरीका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन व न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। अमरीका, कनाडा व ब्रिटेन शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों के लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन चुके हैं, जबकि तथ्य यह है कि ये देश भारत विरोधी मनोग्रंथी का शिकार हो चुके हैं। हिंदोस्तान को अस्थिर करने वाली जिहादी ताकतों की इन देशों में खुलेआम हिमायत हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से अमरीका में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों तथा वहां काम करने वाले अन्य भारतीय युवाओं की टारगेट कीलिंग हो रही है। शिक्षा का माहौल तनाव रहित होना चाहिए, परंतु इन देशों में पढ़ाई करने वाली भारतीय प्रतिभाएं नस्लीय हिंसा के भेदभाव का शिकार होकर मानसिक तनाव से गुजर रही हैं। इसके बावजूद भारतीय छात्रों की विदेशी शिक्षण संस्थानों की तरफ कशिश बढ़ रही है। विदेशों में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले हजारों भारतीय छात्रों के बारे में देश के लोगों को इल्म तब हुआ जब रूस–यूक्रेन की शदीद जंग में फंस चुके हिंदोस्तान के छात्रों ने खुद को बचाने की गुहार लगाई थी। बेशक वर्तमान समय में भारत के ज्यादातर छात्र डॉक्टर बनने की चाहत में विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जब समस्त विश्व चिकित्सा विषय में अनजान था, उस वक्त भारतीय मनीषियों ने चिकित्सा क्षेत्र में कई गौरवमयी कीर्तिमान स्थापित कर दिए थे। ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के शल्य चिकित्सकों को प्रशिक्षण देने के लिए 'मेलबॉर्न' के 'रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ सर्जन्स' में भारतीय महर्षि 'सुश्रुत' की प्रतिमा लगाई गई है। आचार्य सुश्रुत द्वारा संस्कृत में रचित शल्य चिकित्सा का वेद कही जाने वाली 'सुश्रुत संहिता' का अंग्रेजी में अनुवाद भी उस कालेज में सुरक्षित रखा गया है। सन् 1767 में स्थापित 'कोलंबिया यूनिवर्सिटी इरविंग मेडिकल सेंटर' इस बात को स्वीकार कर चुका है कि शल्य चिकित्सा के जनक यानी 'फादर ऑफ सर्जरी' भारत के आचार्य सुश्रुत ही थे। जाहिर है प्लास्टिक सर्जरी का पितामह भारत है। सैकड़ों वर्ष पूर्व भारत में शल्य चिकित्सा के कई केन्द्र स्थापित हो चुके थे जिनमें ज्यादातर हिमाचल प्रदेश में मौजूद थे। ब्रिटेन के डाक्टरों ने सर्जरी करना भारत से ही सीखा था। भारत से सर्जरी की महारत हासिल करने वाले ब्रिटेन के डॉक्टरों ने अपने मुल्क में जाकर 'फेलो ऑफ दि रॉयल सोसायटी ऑफ लंदन' नामक संस्था की स्थापना भी की थी। अमरीका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड जैसे देश भारत के महान शल्य चिकित्सक आचार्य सुश्रुत की महिमा व महानता को स्वीकार कर चुके हैं कि विश्व में सम्पूर्ण शल्य चिकित्सा की नींव आचार्य सुश्रुत ने ही रखी थी। पशु चिकित्सा पर आधारित विश्व के प्रथम ग्रंथ 'शालिहोत्र संहिता' की रचना महर्षि शालिहोत्र ने हजारों वर्ष पूर्व इसी भारतभूमि पर की थी। घोड़ों के प्रजनन के विशेषज्ञ शालिहोत्र ऋषि द्वारा रचित 'हया आयुर्वेद', 'अश्वपरास्ना' तथा 'अश्वलक्षण' जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथों का कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। सर्जरी के पितामह आचार्य सुश्रुत, तक्षशिला विश्वविद्यालय के छात्र रहे महान

आयुर्वेदाचार्य 'जीवक कुमार भच्च', आयुर्वेद के मर्मज्ञ ऋषि 'पुनर्वसु आत्रेय' व उनके शिष्य आयुर्वेदाचार्य 'अग्निवेश' जतूकर्ण, भेलाचार्य तथा हाथियों के प्रबंधन व उपचार पर शोध करने वाले 'गजशास्त्र' के रचयिता 'पालकाप्य मुनि' व शालिहोत्र जैसे आचार्यों की वैज्ञानिक सोच व चिकित्सा क्षेत्र में योगदान की अमूल्य ज्ञान संपदा को समझने के प्रयास पूरी शिद्दत से नहीं हुए। भारत की प्राचीन पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद का डंका पूरे विश्व में बज रहा है, मगर मेडिकल विषय के छात्रों के लिए आयुर्वेद के विशारद व 'फादर ऑफ इंडियन मेडिसन' 'महर्षि चरक' के नाम की शपथ लेने पर देश की सियासी हरारत बढ़ जाती है।

प्रख्यात साहित्यकार कवि कृष्णकांत एकलव्य की 84 वीं जयंती आज

वाह रे शराब की आंधी शराब के कैलेंडरो पर महात्मा गांधी - एकलव्य जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। देश के प्रख्यात साहित्यकार कवि कृष्णकांत ष्एकलब्यष् की 84 वीं जयंती पर आज नगर के रुहट्टा मोहल्ले में स्थित उनके आवास पर मनाई जाएगी। इस मौके पर शाम पांच बजे से काव्यपाठ का आयोजन किया गया है। जिसमे देश के जानेमाने कवि और शायर अपनी रचनाओं के माध्यम से एकलब्य जी को अपनी श्रद्धांजलि देंगे। स्व एकलव्य जी की रचित दर्जनों पुस्तके जो राष्ट्रीय स्तर पर जानी जाती हैं जिनमे प्रमुख रूप से एकलब्य कुर्सी का स्वर्ग, छिपकली की लाश, . एकलव्य के व्यंग बाण,समेत दर्जनों व्यंग साहित्य देश स्तर पर सराही गई। कृष्णकांत ष्एकलब्यष् जी का जन्म 27 फरवरी 1940 को जौनपुर के सिकरारा ब्लाक के छोटे से कसनही गांव में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा गांव में हुई थी। उच्चतम माध्यमिक शिक्षा पूर्ण कर शहर में आकर एम०ए० हिन्दी (साहित्य) की उपाधि प्राप्त किए। छात्र जीवन से ही यह अत्यंत मेधावी रहे। सरकारी सेवा में रहते हुए भी इन्होंने काव्य लेखन में विशेष रुचि लिया सरकारी सेवा के साथ–साथ यह बराबर अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को भी उजागर करते रहे और लोगों को मार्गदर्शन भी देते रहे। साहित्य की मुख्यधारा के समान्तर हो व्यंग–लेखन में राष्ट्रीय स्तर पर कई बार सम्मान से नवाजे गए। विद्वान साहित्यकार रचनाकार व्यंग कर एकलव्य जी ने अपने अंतिम दिनों तक लखनी का कार्य करते रहे और 5 मई 1917 को इस दुनियां से अलविदा कह दिया। उनके समकालीन साहित्यकार रचनाकार आज भी इन्हें भूल नहीं पाए हैं और उनकी कमी हमेशा इनको खलती रहती है।

इनकी प्रकाशित कृतियाँ–

मुख्य धारा– 1. शिएन (नवलेखन), 2. गीत गंधी हूँ मैं, 3. सीता का अग्निवेस, 4. स्मृति के झरोखे, 5. सोन चिरइया (अवधी लोक भाषा), 6. विश्वरथ (विश्वामित्र) प्रबन्ध काव्य, 7. व्यक्ति और अभिव्यक्ति के आयाम (आलोचनात्मक)

व्यंग्य साहित्य–

1. कुर्सी का स्वर्ग, छिपकली की लाश, एकलव्य के व्यंग बाण, पूर्वांचल का हास्य–व्यंग्र,. स्मृतिशेष हास्य–व्यंग्य पुरोधा, लोकतंत्र से भोग तंत्र तक, हिन्दी की प्रमुख व्यंग्य लेखिकाएँ।

भारत विख्यात पत्रिका श्व्यंग्य–तरंगश का पिछले 17 वर्षों तक कुशल सम्पादक के रूप में कार्य करते रहे।इस दौरान इन्हें कई राष्ट्रीय स्तर के सम्मान से अलंकृत किया गया था।जिनमे कुछ इस तरह से है।

प्राप्त पुरस्कार/सम्मान–

रोटरी राज भाषा सम्मान (नई दिल्ली), रामानुज पुरस्कार सम्मान, कादम्बरी हिन्दी संस्थान, जबलपुर (म०प्र०), हास्य–व्यंग विशिष्ट सम्मान संस्था तरूण समाज जयपुर (राज.), कबीर सम्मान, परियावा प्रतापगढ़ (उ०प्र०), पूर्वांचल गौरव अलंकरण, काशी (वाराणसी), राहुल सांकृत्यायन सम्मान पुरस्कार, आजमगढ़ (उ०प्र०), आल इण्डिया जर्नलिस्ट एशोसिएशन सम्मान, व्यंग्य सम्मान, पत्रकार संघ, जौनपुर (उ०प्र०), शिराजेहिन्द जौनपुर सम्मान सहित लगभग सारे हिन्दी प्रदेशों ओर पूर्वाचल के अतिरिक्त जनपद के अर्थ शतक पुरस्कार सम्मानों से अलंकृत।

अनन्य पांडेय ने राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में किया प्रतिभाग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जु

भईया संस्थान के भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के छात्र अनन्य पांडेय ने राष्ट्रीय स्तर की तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कालानुक्रमिक डेटिंग और इसके अनुप्रयोग शीर्षक पर यह कार्यशाला एसोसिएशन फार ल्यूमिनिसेंस डेटिंग (एएलडी) के सहयोग से भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के अंतरिक्ष विभाग के द्वारा 21 से 23 फरवरी के मध्य आयोजित की गई। कार्यशाला में संदीप्त (ल्यूमिनिसेंस) विधि से काल–निर्धारण और भू ग्रहीय एवं पुरातत्व विज्ञान में उसके प्रयोगों संबंधी विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा कई व्याख्यान दिये गए। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में कालानुक्रमिक डेटिंग विधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। यह विधि एक समूह को संदर्भित करती है जो यह निर्धारित करती है कि कितने समय पहले खनिज अनाज सूरज की रोशनी या पर्याप्त हीटिंग के संपर्क में थे। यह भूवैज्ञानिकों और पुरातत्वविदों के लिए उपयोगी है जो जानना चाहते हैं कि ऐसी घटना कब हुई थी।यह ल्यूमिनिसेंस को उत्तेजित करने और मापने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करता है । इस अवसर पर भू एवं ग्रहीय विज्ञान के विभागाध्यक्ष डा नीरज अवस्थी ने कहा कि विभाग के छात्रों का राष्ट्र स्तरीय मंचों पर प्रतिभाग उनके भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। छात्र की इस उपलब्धि पर मंगलवार को विभाग पहुचने पर विभाग के अन्य शिक्षकों डा श्याम कन्हैया, डा शशिकांत यादव, डा श्रवण कुमार समेत संस्थान के निदेशक प्रो प्रमोद कुमार यादव एवं अन्य शिक्षकों ने छात्र को बधाई दी।

नेशनल पर्यावरण यूथ पार्लियामेंट में रिंशिका दुबे प्रथम स्थान पर

यूजीसी और एबीवीपी के संयुक्त तत्वावधान में हुई प्रतियोगिता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बीटेक आईटी की छात्रा रिन्सिका दुबे ने नेशनल पर्यावरण यूथ पार्लियामेंट 2024 की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में पूरे देश के 21 विश्वविद्यालयों के छात्र और छात्राओं ने भाग लिया था। यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से विद्यार्थियों को पर्यावरण के संवर्धन के लिए आयोजित की गई थी। पीयू की ओर से इस प्रतियोगिता को कराने के लिए पर्यावरण विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुधीर उपाध्याय को कुलपति की तरफ से नोडल अधिकारी बनाया गया था। डॉ. उपाध्याय की देखरेख में पहले विभागवार पर्यावरण विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थी राज्यस्तरीय प्रतियोगता में प्रतिभाग किए जिसमें पीयू के छह विद्यार्थी चयनित हुए। चयनित विद्यार्थियों में रिंसीका दुबे, शिवम पांडेय, गोपाल दुबे, अभिनव कीर्ति पाण्डेय, मेधा

और यतनदीप दुबे रहे। इसके बाद स्क्रीनिंग के दौरान दो विद्यार्थी रिंसीका दुबे, शिवम पांडेय का चयन नागपुर के लिए हुआ। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने एयर टिकट देकर विद्यार्थी को प्रोत्साहित किया। इसके बाद नागपुर में हुई नेशनल पर्यावरण यूथ पार्लियामेंट प्रतियोगिता में रिंसीका दुबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विश्व विद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने इस प्रक्रिया में सभी चयनित विद्यार्थियों को अपने कार्यालय में बुलाकर बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने नोडल अधिकारी डॉ. सुधीर उपाध्याय के मार्गदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसी तरह विश्वविद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इकाई अध्यक्ष भास्कर उपाध्याय ने चयन प्रक्रिया में पूरा सहयोग किया। साथ ही विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में कैसे प्रतिभाग करें का लगातार टिप्स देते रहे?

शिक्षिका ने बीईओ करंजाकला पर लगाया दुर्व्यवहार करने का आरोप

-बीमार बच्चे के उपचार के लिए बीएसए से अवकाश के लिए लगाई थी गुहार।

-शिक्षकों की रोस्टर से नही लगाई जाती ड्यूटी।

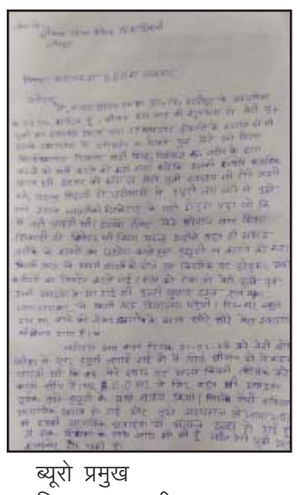

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। करंजाकला विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय हरदीपुर में तैनात एक शिक्षिका ने खंड शिक्षा अधिकारी करंजाकला पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।पीड़ित ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए शिकायती पत्र देते हुए लिखा है कि अध्यापिका के साथ मां होने का हवाला देते हुए बच्चे के उपचार के लिए अवकाश मांगी है। करंजाकला हरदीपुर में तैनात शिक्षिका वंदना यादव ने बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल को प्रार्थना पत्र देते हुए करंजाकला के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पर दुर्व्यवहार करने अभद्रता करने धमकाने का आरोप लगाया है कहां की विगत एक सप्ताह में आरओ समीक्षा अधिकारी यूपीपी की संपन्न हुई तीन परीक्षाओं में लगातार ड्यूटी लगा दिया गया। जिससे दूधमुहे बच्चें को दूसरे के पास छोड़कर जाना पड़ा। जिससे बच्चे तबीयत बाद में बहुत खराब हो गई । बीईओ से बार–बार गुहार लगाती रही कि उन्हें रोस्टर के हिसाब से ड्यूटी लगाई जाए।

उन्हें टारगेट कर परेशान ना किया जाए लेकिन वह अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए ड्यूटी करने का निर्देश दिया। उन्होंने ड्यूटी किया। खंड शिक्षा अधिकारी से शिक्षिका वंदना यादव ने बीमार बच्चें की देखभाल के लिए अवकाश की मांग की। लेकिन मेरी एक नहीं सुनी गई अंत में बीएसए से उन्हें राहत मिली । इसके अलावा कई शिक्षकों ने नाम ने छापने की शर्त पर यह बताया कि कंरजाकला खंड शिक्षा कार्यालय में कुछ शिक्षको के साथ बीईओ भेदभाव करते है। शिक्षक की रोस्टर के हिसाब से ड्यूटी नहीं लगाई गई और कई शिक्षकों को परेशान भी किया गया। डाल्हनपुर खंड शिक्षा कार्यालय पर एआरपी बैठकर वहां बाबू स्तर के मामलो की डीलिंग करता है। वंदना यादव ने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी दुर्व्यवहार करने की शिकायत मैंने बेसिक शिक्षा अधिकारी से कर दिया है । मुझे परेशान किया जा रहा है उन्होंने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। वही इस मामले में पूछे जाने पर बीएसए डॉ गोरखनाथ पटेल ने बताया कि शिक्षिका बन्दना हमारे पास आयी थी,उसे अवकाश दे दिया गया ,उसके शिकायत पर हमने बीईओ से पूछताछ की,और उन्हे महिलाओ के साथ सलीके से बातचीत करने के लिये सचेत किया है। हालाकि महिला बीईओ से छूट्टी माग रही थी ,परीक्षाओ का प्रेशर था,ड्यूटी भी जरूरी थी,बस छूट्टी न मिलने से ऐसा आरोप लगाई है।बीईओ अनुभवी है,अभद्र व्यवहार नही कर सकते है।बन्दना को भी समझाया कि पढाने पर ध्यान दे छूट्टी पर नही। नौकरी को नौकरी तरह करनी होगी।

भोर में घर से टहलने निकला था, सुबह सड़क किनारे मिली लाश

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर के एम्स थाना क्षेत्र के फोरलेन पर टहलने निकले युवक की सड़क किनारे लाश मिली। परिजनों ने युवक के साथ किसी अनहोनी की आशंका जाहिर की है। पुलिस, हादसे में मौत मानकर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र के बड़ी कैथवलिया गांव निवासी विशाल निषाद (21) स्नातक प्रथम वर्ष का छात्र था। रोज की भांति रविवार की भोर में फोरलेन पर दौड़ने निकला था। कुछ देर बाद जिस सर्विस लेन पर दौड़ रहा था, उसी के किनारे मल्लपुर टाटा मोटर्स के किनारे गंभीर रूप से घायल मिला। सूचना पर घायल युवक के परिजन और जगदीशपुर चौकी पुलिस उसे एंबुलेंस से लेकर अस्पताल गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आग बुझाने पहुचे थे गांव वाले तभी तेज धमाके के साथ फट गया सिलेंडर

आजमगढ़, संवाददाता। आजमगढ़ के महराजगंज थाना क्षेत्र के भैरवदासपुर गांव में सोमवार की सुबह एक व्यक्ति के घर में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई। लोग आग बुझाने की कवायद में जुटे थे कि तेज धमकाने के साथ सिलेंडर फट गया। इस दौरान दो लोग झुलस गए। इस घटना में पीड़ित परिवार की पूरी गृहस्थी ही जल कर खाक हो गई है। भैरवदासपुर गांव निवासी रामगढ़ यादव की रिहायशी मड़ई थी। उसकी पुत्री गंगा सोमवार की सुबह गैस जला कर खाना पका रही थी। इसी दौरान रिसाव के चलते गैस सिलेंड में आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और पीड़ित परिवार की दोनों मड़ई आग की चपेट में आ गई। यह देख गांव के लोग आग बुझाने की कवायद में जुट गए। तभी कुछ ही देर में तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। इस हादसे में बलराम व बलिहारी झुलस गए। वहीं, घर गृहस्थी का सारा सामान भी अगलगी की भेंट चढ़ गया। झुलसे दोनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित के अनुसार, अगलगी की इस घटना में उसकी पूरी गृहस्थी जल कर खाक हो गई है। इतना ही नहीं पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठग लिए 15 लाख रुपये, केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर के कोतवाली थाने में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का केस दर्ज किया गया है। ये मामला, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की जालसाजी किए जाने का है। आरोप है कि नौकरी न दिला पाने पर रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। कोतवाली थाने में पुलिस ने केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली इलाके के बक्शीपुर, साहू टोला निवासी सुमित गुप्ता ने एसएसपी को प्रार्थना–पत्र देकर बताया कि कुछ महीने पहले लखनऊ में उनकी मुलाकात अमित प्रकाश पाठक उर्फ शंकर पाठक नाम के एक व्यक्ति से हुई थी, जो अपने आप को आईबी अधिकारी बताया। लखनऊ में अपनी तैनाती होने की बात करते हुए उसने पीड़ित को बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में नौकरी आई है। वह 15 लाख रुपये में नौकरी लगवा देगा। इसकी जानकारी सुमित ने अपने दोस्त निखिल सिंह को दी। निखिल सिंह ने अपने भाई का फार्म भरवा दिया। नौकरी दिलाने के लिए अमित प्रकाश पाठक से बात फाइनल करके सुमित ने उसे 15 लाख का भुगतान कर दिया। 30 हजार नकद भी दिया। कुल रुपये लेने के बाद आरोपी ने 77 हजार लौटा दिए। उधर काफी दिनों तक नौकरी नहीं मिलने पर पीड़ित ने तथाकथित आईबी अधिकारी से बात की तो उसने टालमटोल शुरू कर दिया।

स्वच्छता को हर स्वयं सेवक अपने जीवन में अंगीकार करें - डा. बिपिन कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर के परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विपिन कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का फोकस बिंदु श्स्वच्छ भारत मिशनश के अंतर्गत स्वच्छता श्रमदान और मतदाता जागरूकता पर आधारित रहा।कार्यक्रम में स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए डॉ विपिन कुमार सिंह ने बताया कि स्वच्छता को हर स्वयं सेवक अपने जीवन में अंगीकार करें और आगे बड़े। इस तरह के कार्यक्रमों से युवाओं में कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता का विकास होता है ।कार्यक्रम अधिकारी डॉ माया सिंह ने स्वयं सेवकों को मतदाता जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित करें और जो स्वयं भी 18 साल की उम्र के हो गये हो वो भी अपने वोट देने के अधिकार का प्रयोग करें। डॉक्टर बालमुकुंद सेठ ने राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के उद्देश्य एवं भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वयंसेवक एन.यस. यस. कार्यक्रम के द्वारा किस प्रकार अपने देश और समाज की सेवा पढ़ाई करने के साथ कर सकता है? उन्होंने बताया की एनएसएस कार्यक्रम का लोगो उड़ीसा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के रथ के पहियों से लिया गया है जिसकी 8 तीलियां दिन के 8 प्रहर को इंगित करती हैं। अर्थात स्वयंसेवक को राष्ट्र के प्रति 24 घंटे समर्पित रहना चाहिए। डॉक्टर प्रशांत कुमार ने सामुदायिक स्वच्छता पर व्याख्यान देते हुए बताया कि कैसे स्वयंसेवक स्वच्छता श्रमदान के द्वारा देश समाज और अपने कॉलेज परिसर को स्वच्छ रख सकता है। उन्होंने बताया कि देश की देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर सेना के जवान न केवल देश की सेवा करते बल्कि सफाई कर्मी भी देश की सेवा करते हैं ।डॉ० जितेश कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक स्तर पर स्वयं सेवकों की देश और समाज के प्रति क्या भूमिका है? कार्यक्रम में स्वयंसेवक छात्र–छात्राओं ने विविध प्रकार के देशभक्ति गीत, कविता, कहानी और संस्मरण की सराहनीय प्रस्तुति दिया। आज के एकदिवसीय कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० आशा रानी, डॉ० विजयलक्ष्मी उपस्थित रहे।

मंदिर से निकाली गई भव्य कलश यात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पटैला बाजार के निकट धिरौली नानकर गांव में सैकड़ो कोस के क्षेत्र के लोगों के लिए आस्था और श्रद्धा का केंद्र बाबा बान दईत के मंदिर से वरिष्ठ दंत चिकित्सक एवं बाबा द्वारिका दास हरि महाविद्यालय सारी जहांगीर पट्टी के प्रबंधक डा. सूर्यभान यादव ने सैकड़ो कन्याओं के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली। बालिकाएं सिर पर कलश रखे हुए भारी संख्या में कलश यात्रा में शामिल हुईं। यज्ञ कलश शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में स्कूली छात्राओं और अन्य क्षेत्र की कन्याओं ने हिस्सा लिया। वरुण देवता की पूजा एवं स्थापना की गई। कलश यात्रा मंदिर के निकट स्थित सेवई नदी के किनारे पहुंची जहां जलीय जीवों में ईश्वर की अनुभूति करते हुए उनकी पूजा की गई।कलश में जल भरकर यज्ञशाला में लाकर वरुण देव को स्थापित किया गया।यज्ञ आचार्य वशिष्ठ नारायण चतुर्वेदी ने बताया कि यज्ञ की पूर्णता के लिए जल लाने का पौराणिक महत्व है। कलश यात्रा का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि कलश सुख–समृद्धि का प्रतीक है। जो लोग कलश यात्रा में चलते हैं सुख–समृद्धि उनका साथ कभी नहीं छोड़ती और परमात्मा की विशेष कृपा के पात्र हो जाते हैं। डा. सूर्यभान यादव ने बताया कि बाबा बान दईत का मंदिर केवल क्षेत्र वासियों के लिए ही नहीं बल्कि सुदूर के कई जनपदों के लिए आस्था का केंद्र है।दूर–दूर से नव विवाहित युगल वर – वधु यहां सिंदूर चढ़ाने के लिए आते हैं। लोग अपनी मनोकामनाओं को लेकर भी यहां आते है। उन्होंने कहा कि इस मंदिर की अपने आप में धार्मिक और भौगोलिक विशेषता है। जहां एक तरफ लोगों का विश्वास और भक्ति भावना प्रगाढ़ है । मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया गया । इस अवसर पर आचार्य अश्वमेध पांडेय,आचार्य धर्मेंद्र पांडेय, शिवकुमार त्रिपाठी, वैदिक, दिनेश पाठक ,राकेश मिश्रा, प्राचार्य डॉ कुंवर सिंह यादव ,मनोज कुमार यादव, राम आशीष यादव, जंत्री यादव ,बाबा राजनाथ सहित सैकडो लोग उपस्थित रहे।

निषाद रथ को झंडी दिखाकर पीयू मीडिया प्रभारी ने किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले में पहली बार मॉ चौकिया धाम से अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं

को सुविधा मुहैया कराई जा रही है। यह सुविधा भगवान राम के नाम पर राम भक्तों के लिए निःशुल्क है। इसके लिए पांच बसें प्रतिदिन चल रही हैं। इस बस का नाम जौनपुर निषाद रथ है। यह नेक कार्य पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह ने कराया है। इससे राम भक्तों में हर्षोल्लास का माहौल है।

मंगलवार को जौनपुर निषाद रथ को झंडा दिखाकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पीयू के मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने मंगलवार को रवाना किया। उन्होंने कहा कि सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है, वह भी भगवान की सेवा तो सबसे बड़ा धर्म और नेक कार्य है। चौकिया धाम से रवाना होते समय बसों के यात्रियों पर फूलों की वर्षा की गई। जय श्री राम के जयकारे से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस दौरान अभिषेक सिंह के भाई वैभव सिंह ने राम भक्तों को शुभकामना दी। कहा कि आप रामलला के दर्शन कर श्रद्धा पूर्वक पूजन करें। यह बस आपको ले जाने और लाने के लिए हैं। भगवान के प्रति आपकी श्रद्धा ही मेरे लिए आशीर्वाद है। आपकी सेवा कर मैं और मेरा परिवार आपका कृतघ्न है। उल्लेखनीय है कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भक्तों का तांता लगा हुआ है। दर्शन करने के लिए श्रद्धालु उतावले नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पहली बार अद्भुत नजारा देखने को मिला. हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई अयोध्या की बस को हरी झंडी दिखाने एक साथ आगे आ रहे हैं।

कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर-14568 से घर बैठे मिलेगा योजनाओं का लाभ

–मोदी जी की गारंटी का होगा क्रियान्वयन।
–समाज कल्याण समाधान केंद्र एवं कल्याण साथी मोबाइल ऐप से मिलेगी योजनाओं की जानकारी एवं सहायता।
–लाभार्थी कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर 14568 पर दर्ज कर सकेंगे शिकायत, होगा तुरंत समाधान।
–प्रातः 9:30 से सायं 6:30 तक कार्य दिवस पर होगा संचालन।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाज कल्याण समाधान केंद्र, कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर 14568 का उद्घाटन निदेशालय समाज कल्याण में रमापति शास्त्री, पूर्व मंत्री समाज कल्याण द्वारा किया गया। इस अवसर पर असीम अरुण, मंत्री, समाज कल्याण, अवनीश अवस्थी, सलाहकार, मुख्यमंत्री, कुमार प्रशांत, निदेशक, समाज कल्याण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ही कल्याण साथी मोबाइल ऐप, सीनियर सिटीजन हेतु वृद्धाश्रम पोर्टल एवं विभागीय त्रैमासिक पत्रिका कल्याणी का भी विमोचन किया गया।

मोदी जी की गारंटी का होगा क्रियान्वयन

विभाग द्वारा 53 लाख वृद्धजनों को पेंशन का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही छूटे हुए पात्र वृद्धजन कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर 14568 पर कॉल कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विभाग द्वारा लाभार्थी को पंचायत सहायक के माध्यम से घर बैठे योजना का लाभ दिलाया जायेगा। श्री अरुण ने बताया कि विभागीय योजनाओं की जानकारी, सहायता एवं लाभ प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर का संचालन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर 14568 पर कॉलर योजना का लाभ लेने से संबंधित अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को दर्ज करा सकते हैं। हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज समस्याओं को जनपद स्तर से नियमित अनुश्रवण कर समाधान किया जाएगा एवं लाभार्थी को भी अवगत कराया जाएगा। इसी प्रकार छात्रवृत्ति, सामूहिक विवाह आदि योजनाओं से संबंधित समस्याओं का भी तुरंत समाधान किया जाएगा।

पूर्व राज्यपाल ने परिवार के साथ किया राम लला के दर्शन पूजन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाईक परिवार सहित अयोध्या पहुंच कर रामलला का दर्शन पूजन किया। उन्होंने रामलला के दर्शन पूजन व सरयू नदी में नौका विहार का भी आनंद लिया।वहीं जल पुलिस में तैनात आरक्षी नित्यानंद यादव से घाटों के बारे में जानकारी ली और घाटों का निरीक्षण भी किया।इस मौके पर दौरान ड्यूटी पर तैनात जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप मौर्य, कांस्टेबल नित्यानंद यादव,कांस्टेबल

के.डी. व आदि लोग उपस्थित रहें।

यूनिसेफ नें 90.4 एफ एम हरदोई की डायरेक्टर आदिति गौड़ को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)जलवायु परिवर्तन के मुद्दे को लेकर जनमानस में जागरूकता लाने के उद्देश्य से यूनिसेफ के ब्रांड एंबेसडर देश के मशहूर फिल्म अभिनेता आयुष्मान खुराना द्वारा आज मुंबई के एक पांच सितारा होटल में कम्युनिटी रेडियो के क्षेत्र में प्रभावी जलवायु परिवर्तन के संदेशों को हरदोई के रेडियो जागो 90.4 एफएम द्वारा प्रसारित करने के लिए रेडियो की डायरेक्टर प्रोडक्शन अदिति गौड़ को अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया। देश के बड़े फिल्म अदाकार आयुष्मान खुराना ने जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की सराहना करते हुए हरदोई के रेडियो जागो की प्रशंसा की, उन्होने नीलम नदी को लेकर रेडियो पर दिए गए संदेशों को प्रभावी बताया। यह रेडियो कम दिनों में जनहित से जुड़े मुद्दों पर जिस तरह से कम कर रहा है आज देश में उस तरह से धरातल पर उतरकर लोगो से जुड़कर कार्य की आवश्यकता है। इस अवसर पर मुंबई के इस कार्यक्रम में कई फिल्मी दुनिया की हस्तियां, देश भर के चुनिंदा एफएम रेडियो के रेडियो जाकी सहित हरदोई के वरिष्ठ पत्रकार अभय शंकर गौड़ भी उपस्थित रहे।

एएसपी सीओ लाइन ने किया त्रैमासिक पुलिस लाइन का निरीक्षण

अयोध्या। सीओ लाइन अरुण कुमार सिंह ने रिजर्व पुलिस लाइन का त्रैमासिक निरीक्षण कर वहां पर मिले खामियों को दूर करने के लिये प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए।सोमवार को सहायक पुलिस अधीक्षकध्सीओ लाइन श्री सिंह ने रिजर्व पुलिस लाइन परिसर के सभी कार्यालयों में जाकर बारीकी से निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने वहां पर साफ–सफाई, पुलिस आवास,प्ले स्कूल,भोजनालय,भ्रष्टाचार निवारण संगठन कार्यालय,यू.पी. 112 कार्यालय, आर.ओ.आई.पी. कार्यालय, प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा,पुलिस कैंटीन, पुलिस अस्पताल, बारबर शाप, अश्वशाला, मेस, जिम हाल, शस्त्रागार, पुलिस लाइन स्टोर, बैरक, क्वार्टर गार्द,बैरक,परिवहन शाखा, कैश कार्यालय, गणना कार्यालय व जीडी कार्यालय आदि का निरीक्षण किया।

सनातन संस्कृति को उपहार है - सुदर्शन सेतु - मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आरम्भ सनातन हिन्दू संस्कृति का अमृतकाल प्रतिदिन नयी आभा प्राप्त कर रहा है। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में दिव्य, भव्य एवं नव्य राम मंदिर के उद्घाटन से अबूधाबी के मंदिर और उसके उपरांत उत्तर प्रदेश के संभल जिले में कल्कि धाम का शिलान्यास अमृतकाल के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक बिंदु हैं । अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद जिस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान से संपूर्ण विश्व के सनातन हिंदू समाज ने दीपावली मनाई वह अद्भुत और ऐतिहासिक है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 दिन तक कठोरता से यम नियम का पालन किया और उन सभी मंदिरों में गये जिनका रामायण काल से किसी न किसी प्रकार से संबंध रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिस भी मंदिर में जाते हैं उसके विस्तार तथा आसपास के क्षेत्रों के विकास का वृहद चित्र खींकर आते है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज भारत प्रत्येक तीर्थ में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

सनातन की प्राचीनता से वर्तमान को परिचित कराते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात यात्रा के दौरान यहाँ के पंचकुई समुद्र तट पर स्कूबा ड्राइविंग करके भगवान श्रीकृष्ण की जलमग्न प्राचीन द्वारका नगरी के दर्शन करते हुए जल के अंदर पूजा की और इतिहास में एक अमर क्षण जोड़ दिया। स्वाभाविक रूप से अब प्रत्येक सनातनी हिंदू जलमग्न द्वारका के दर्शन कर स्वयं को धन्य करना चाहेगा और जलमग्न द्वारका तीर्थ भी श्रद्धालुओं की यात्रा सूची में आ जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका शारदापीठ में शंकराचार्य स्वामी सदानंद जी महाराज का आसहीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री ने बताया कि जलमग्न द्वारका के विषय में पुरातत्व वेत्ताओं द्वारा और पुराणों में बहुत कुछ लिखा गया है। हमारे शास्त्रों के अनुसार द्वारका सुंदर द्वारों और ऊंचे भवनों वाली ये पुरी पृथ्वी पर शिखर के सामान होगी, मान्यता है कि स्वयं भगवान विश्वकर्मा ने ही द्वारका नगरी का निर्माण किया था। नौसेना के गोताखोरों की सहायता से प्रधानमंत्री ने प्रार्थना की, हाथ जोड़े और भगवान श्रीकृष्ण को मोरपंख अर्पित किया। बाहर आने पर प्रधानमंत्री

ने कहा कि द्वारका जी में मैं पुरातन भव्यता और दिव्यता का अनुभव कर रहा था।

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने द्वारका में देश के सबसे लंबे पुल का लोकार्पण किया जिससे इस क्षेत्र में विकास और पर्यटन के एक नये महायुग का प्रारम्भ होगा, इस पुल का नामकरण "सुदर्शन सेतु" किया गया है।

सुदर्शन सेतु की विशेषताएं – यह एक ऐतिहासिक सिग्नेचर ब्रिज है जिसकी प्रेरणा गीता है और स्रोत सूर्य की उर्जा। 7 अक्तूबर 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पुल की आधारशिला रखी थी । पूर्व में इस पुल का नाम सिग्नेचर ब्रिज था जिसे अब सुदर्शन सेतु कर दिया गया है। यह ओखा को समुद्र के बीच टापू जैसे रूप से उभरे बेट द्वारका से जोड़ता है। सुदर्शन सेतु की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां दोनो ओर भगवद्गीता के श्लोकों और श्रीकृष्णकी छवियों को उकेरा गया है। इसमें फुटपाथ के ऊपरी हिस्से पर सौर पैनल लगाये गये हैं जिससे एक मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है। ओखा मैनलैंड को बेट द्वारका द्वीप से जोड़ने वाले इस सेतु से इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी को एक नई दिशा मिलेगी। अभी तक तीर्थयात्रियों को बेट द्वारका जाने के लिए नाव पर निर्भर रहना होता था और मौसम खराब हो जाने पर प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। सुदर्शन सेतु का निर्माण हो जाने के बाद तीर्थयात्रियों की यह समस्या समाप्त हो जाएगी। सुदर्शन सेतु वस्तुतः सनातन संस्कृति को प्रधानमंत्री का उपहार है। प्रधानमंत्री के जलमग्न द्वारका के दर्शन करने और फिर जनसभा करने से यह स्पष्ट हो गया कि अभी इस क्षेत्र का और अधिक व्यापक स्तर पर विकास होने वाला है। यह सुदर्शन सेतु 2.32 किमी लंबा है तथा पुल पर 2.50 मीटर चौड़े फुटपाथ हैं। यह 27.20 मीटर चौड़ा पुल चार लेन का है। यह 979 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जहाँ भी जाते हैं वो स्थान तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की यात्रा सूची में ऊपर आ जाता है केदारनाथ,लक्षद्वीप, सिक्किम, पार्वती कुंड, काशी, अयोध्या, इसके ज्वलंत प्रमाण हैं और अब जलमग्न द्वारका भी इस सूची में स्थान बनाने को व्यग्र है। जैसे ही प्रधानमंत्री ने जलमग्न द्वारका की अपनी यात्रा के चित्र व वीडियो इंटरनेट पर साझा किये वैसे ही द्वारका नगरी के विषय में घर घर चर्चा होने लगी। प्रधानमंत्री अपने प्रत्येक कार्य से कई संकेत व संदेश देते हैं। विश्लेषकों का मानना है कि बेट द्वारका का सन्देश है कि मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का भी जल्द ही उद्धार होने जा रहा है।

कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वाधान में, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सुधाकर दुबे की अध्यक्षता में कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 विषय पर विधिक जागरूकता कार्यक्रमध्प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला महिला चिकित्सालय हरदोई में किया गया। कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम निषेध और निवारण अधिनियम 2013 आयोजित जागरूकताध्शिक्षण कार्यक्रम को अपर जिला जज द्वारा द्वारा महिलाओं का उत्पीड़न रोकथाम,निषेध एवं निवारण अधिनियम 2013 विषय पर संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अधिनियम के बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में जो महिलाएं अपने घरों से बाहर निकल कर कार्य करती हैं। यह अधिनियम उन सभी महिलाओं के लिए बनाया गया है। इस अधिनियम में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न की रोकथाम किस प्रकार की जाएगी इसके बारे में जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में ध्जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों व महिलाओं को विस्तृत जानकारी दी। डॉ, मधुलिका शुक्ला ने सर्वाइकल कैंसर के लक्षण व बचाव के सम्बन्ध में जानकारी दी।इस अवसर पर डिप्टी सीएम ओ डॉ, सुरेन्द्र कुमार, डॉ, मौशमी जायसवाल, डॉ, स्वाति, डॉ, गरिमा शुक्ला, साधना सिंह, इस्ता शर्मा, महेन्द्र पाल, सुनील कुमार कमल, व मेडिकल कॉलेज के एम बी, बी, एस, बैच के स्टूडेंट्स, महिलाएं तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अभिषेक अवस्थी, दिनेश कुमार और सौरभ तिवारी आदि मौजूद रहे।

भाजपा सरकार की नीतियों से आधी आबादी समाज में अपनी पहचान बना पाई है - प्रेमावती

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) गांधी मैदान सभागार में भारतीय जनता पार्टी के शक्ति वंदन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से आधी आबादी समाज में अपनी पहचान बना पाई है। घर से बाहर तक नारी शक्ति अपने हौसलों से हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। देश में पहली बार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए समाज की मुख्यधारा में लाकर उन्हे महिला स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं अपने और अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त और सक्षम बनने में महत्वपूर्ण योगदान दें रही है। प्रेमावती ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान अभियान में अहम भूमिका निभाने वाली महिला वैज्ञानिक डॉक्टर ऋतु से लेकर राजनैतिक क्षेत्र में देश की महामहिम राष्ट्रपति बनी द्रोपदी मुर्मू बड़ा उदाहरण है महिलाओं के लिए कि 2014 के बाद बनी भाजपा सरकार ने महिलाओं को मजबूत करने के लिए एक वातावरण तैयार किया। जिसके बाद सरकार ने प्रधानमंत्री जन धन अकाउंट, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना, जीवन ज्योति बीमा योजना समेत तमाम योजनाएं शुरू की जिससे आधी आबादी को सम्मान से जीने का हक मिला। ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया, इससे महिला संबंधी अपराध को न्यूनतम स्तर तक पहुंचने में सफलता प्राप्त हुई है।

कार्यक्रम में संजय गुप्ता क्षेत्रीय मंत्री ने मातृ शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को केन्द्र में रख कर प्रधानमंत्री मोदी व योगी सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाएं देकर महिलाओं को लाभान्वित किया है। डबल इंजन की सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महिला स्वयं सहायता समूह की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि रक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, खेल और विज्ञान आदि क्षेत्रों में मातृ शक्ति अपने नेतृत्व का लोहा मनवा रही हैं। खेल के मैदान से लेकर देश की सीमा सुरक्षा में पुरषों से कंधे से कंधा मिलाकर योगदान दे रही है। संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण दिलाकर भाजपा ने महिलाओं की बरसों पुरानी मांग को पूरा करने का काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह पूरा करके रहती है। प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी का ही परिणाम है जो जनता के हित के सभी कार्य समयबद्ध रूप में पूर्ण हो रहे है। कार्यक्रम का संचालन महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय महामंत्री अनुसूचित मोर्चा पी के वर्मा, जिला उपाध्यक्ष एसपी मौर्य संजय सिंह गुड्डू जिला महामंत्री इंजीनियर ओम वर्मा मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक, मीडिया सह प्रभारी परेश गुप्ता, महेंद्र सोनी एनजीओ संयोजक, मुकुल सिंह आशा एनजीओ प्रकोष्ठ सह संयोजक, पीयूष शुक्ला महिला मोर्चा महामंत्री रीना गुप्ता नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय पारिशा तिवारी अनुराधा मिश्रा श्वेता जनकल्याण समिति प्रदेशध्यक्ष रीता सिंह, श्री श्याम स्वयं सहायता समूह की नंदनी अवस्थी, जय भोले सेवा समिति राष्ट्रीय सचिव पूजा गुप्ता मौजूद रही।

भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग को मान सम्मान देने का काम किया – गंगाराम राठौर

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) विकासखंड शाहाबाद में पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा आयोजित सभा में भाजपा नेता गंगा राम राठौर ने कहा कि भाजपा सरकार में ही एक मात्र ऐसी सरकार ही जिस सरकार में पिछड़ा वर्ग को मान सम्मान देने का काम किया है। जातिवाद से ऊपर उठकर कार्य किया है। कहा कि राहुल गांधी जातिवाद परिवारवाद तुस्टीकरण पर वर्षों से राजनीति करते चले आये हैं। भाजपा सरकार ने सभी वर्गों के लोगों को समान भाव से योजनाओं का लाभ दिया। चाहें वह शौचालय हो या प्रधानमंत्री आवास योजना हो या पांच लाख का स्वास्थ्य कार्ड हो या किसान सम्मान निधि हो या सुकन्या योजना हो तमाम योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया कि हर एक पात्र व्यक्तिओं को तमाम योजनाओं का लाभ मिल रहा है। और आगे भी मिलता रहे। इसलिए युवा संवाद कार्यक्रम में सभी से आग्रह किया कि तीसरी बार मोदी सरकार को भारी मतों से विजय बनायें। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य लालाराम राजपूत, जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा हरदोई वेदराम राजपूत, मण्डल अध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय, भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा नगर अध्यक्ष दीपकमल राठौर , मंच संचालक मण्डल अध्यक्ष देवेन्द्र राजपूत, अभय वर्मा पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा प्रमोद रस्तोगी, सुभाष रस्तोगी, आशाराम राठौर, पूर्व सभासद भाजपा विनोद राठौर, यदुवीर सिंह राजपूत, देवेन्द्र गुप्ता डा. कमलेश सिंह, भाजपा नेता गोपाल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य अनुज राजपूत, युवा मोर्चा अध्यक्ष दौलत राम राठौर, महिला मोर्चा अध्यक्ष कृति वर्मा, ओबीसी मोर्चा नगर महामंत्री राजीव कुमार सोनी , नगर उपाध्यक्ष कंचन शर्मा, सुधीर वर्मा, राजेश मौर्या, सचिन राठौर, नगर मंत्री सतीश राठौर, विकास मौर्या सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर जन–जन का जीवन स्तर ऊंचा उठे, तभी हमारा देश विकसित बनेगा – वेदराम राजपूत

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) ब्लॉक संसाधन केन्द्र परिसर में नगर पालिका परिषद द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष वेदराम राजपूत ने कहा कि केंद्र सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होकर जन–जन का जीवन स्तर ऊंचा उंठे, तभी हमारा देश विकसित बनेगा। कहा कि मोदी की गारंटी गाड़ी देश के कोने–कोने में पहुंच रही है। यह गाड़ी युवाओं और महिला शक्ति दोनों को ही सशक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार जन–जन के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है, जिसका लोग पात्रता के आधार पर लाभ उठा रहे हैं। कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान संचालित एलईडी वैन मोदी की गाड़ी बन लोगों को लाभान्वित कर रही है। मेरी कहानी–मेरी जुबानी के तहत लोग अपने अनुभवों एवं कार्य सार्थकता से एक–दूसरे को प्रेरित कर रहे हैं।

रिसोर्स पर्सन अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा, आशा का एक जीवंत कारवां है।यह सभी भारतीयों के घरों तक सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करती है। विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वह यात्रा है, जिसमें बताया गया है कि 10 साल के कार्यकाल में उन्होंने क्या किया है. उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा में दूसरी महत्वपूर्ण बात ये बताना है कि 10 सालों में सरकार ने जो योजनाएं लागू की हैं। वह वास्तविक धरातल पर उतरा कि नहीं. उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का लाभ जिनको अभी तक नहीं मिल सका है, यथा प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत योजना, वृद्धापेंशन, विधवा पेंशन, छात्रवृत्ति योजना, विश्वकर्मा योजना

आदि इस तरह की 40 योजनाएं हैं। उन सभी योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ लोगों को मिला या नहीं. इन योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ अंतिम व्यक्ति को प्राप्त हो सके, इसके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से छूटे हुए जरूरतमंद लोगों का फॉर्म भराया जा रहा है. उन्होंने बताया कि यह यात्रा जहां–जहां जा रही है, वहां–वहां इसका अभूतपूर्व स्वागत हो रहा है. लोगों को लग रहा है कि यह मोदी की गारंटी है. मोदी ने जो कहा वह किया, जो नहीं कहा उसको भी पूरा किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के कार्यालय प्रभारी सुभाष रस्तोगी ने की।इस अवसर पर पी एम स्वनिधि के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक दीपक कुमार, राजस्व निरीक्षक अनस खां, भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष कृति वर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।